STONE (subs.) : I. Lit. : (1) अश्मन् (m.), *even a s. attains divinity* : अश्मापि याति देवत्वम्, H. ; *red s.* : (=ruby) ताम्राश्मन्, Si. iii. 7. ; (2) उपलः, *variety of (precious) s.s* : वैचित्र्यमुपलानाम्, V. m. 80. 3. ; (3) शिला (not applied to precious s.s : but applied also to s. for grinding), *sitting on another s.* : द्वितीयशिलातलोपविष्टः, K. ; *like a (grinding) s. of gold* : कनकशिलानिभः, Ki. xvii. 63. ; (4) पाषाणः (=3.) ; (5) प्रस्तरः (=3) ; (6) ग्रावन् (m.=3) ; (7) दृषद् (f. : rare). II. In the bladder : अश्मन् (m.), *s.-breaking* : अश्मभिद् (mfn.), Sr. ; अश्मरी (the disease). III. Of fruits : अस्थि (n.=bone). IV. Testicle : q.v. : फलम्, *be without s.s* : त्वं विफलो भव, Ram. i. 49. 27. V. A weight : *सप्तसेरम्.

STONE (adj.) : (1) by comp. ; (2) औपलः (ली, लं), *as with a s. raft* : यथा प्लवेनौपलेन, M. iv. 194. (3) पाषाणमयः (यी, यं), K. b. ; and sim.. comp.s.

STONE (v.) : *s. to death* : उपलघातं हन्ति (हन्, c. 2. after लोष्टघातं हन्ति, Mu.) : v. To kill, beat.

STONE-CUTTER : (1) औपलिक (f. की) ; (2) आश्मिक (f. की), etc.

STONE-FRUIT : अस्थिमत्फलम् (?).

STONE-HEARTED : पाषाणहृदय (f. या) ; (2) अश्महृदय (f. या), etc.

STONE-PIT, STONE-QUARRY : प्रस्तरखनिः, and sim. comp.s.

STONE'S-THROW : पाषाणक्षेपः, and sim. comp.s (comp. इषुविक्षेपः, V.p. iii. 118.)

STONINESS : (1) पाषाणबाहुल्यम् ; (2) पाषाणसादृश्यम् etc. : v. Stony.

STONY : I. Abounding in stone : (1) पाषाणबहुल (f. ला) ; (2) उपलसङ्कुल (f. ला), and sim. comp.s. : II. Made of s. : (1) शिलामय (f. यी) ; (2) प्रस्तरमय (f. यी) ; (3) आश्मन (f. नी) ; (4) औपल (f. ली), etc. III. Like s. : (1) by comp., *s.-heart* : पाषाणहृदयम् ; (2) प्रस्तरनिभ (f. भा), etc.

STOOL : I. A seat : q.v. : पीठः (ठी, ठं). II. Evacuation : मलोत्सर्गः, and sim. comp.s.

STOOP (v.i.) : I. To bend the body : गात्रं नमयति (नम्, c. 10.) *or* आवर्जयति (वृज्, c. 10.). II. Not intentionally : expr. by भग्नपृष्ठक (f. का=s.ing), K. III. To condescend : (1) प्रवणीभवति ; (2) प्रह्वीभवति, *s.ing* : वैतसी वृत्तिः, R. iv. 35.

STOOP (subs.) : I. Lit. ; नतिः. II. Fig. : प्रणतिः.

STOOPING (adj.) : fig. : (1) नम्र (f. म्रा) ; (2) प्रणतिप्रवण (f. णा), etc.

STOP (v.t.) : I. To close, shut up : q.v. : वारयति (वृ, c. 10.) : v. Also to cover, fill up ; *shall s. all holes* : सर्वं छिद्रं वारयेत्, M. ix. II. To obstruct, prevent : q.v. : (1) स्तम्भयति, सं-, अव- (c. of स्तम्भ्), *s.ped by Hoonkāra* : हुङ्कारेण स्तम्भित (f. ता) ; (2) रुणद्धि, सं-, वि-, प्रति-, अव- (रुध्, c. 7.), *I will s. the passage of the sun* : रुणध्मि सवितुर्मार्गम्, B. vi. 35. ; (3) प्रतिबध्नाति (बन्ध्, c. 9.), *s.s good* : श्रेयः प्रतिबध्नाति, R. i. 79.

STOP (v.i.) : (1) तिष्ठति, अवतिष्ठते (स्था, c. 1.), *s. ping for a moment* : मुहूर्तं स्थित्वा, Me. i. 19. ; *did not go nor s.* : न ययौ न तस्थौ, Ku. v. 85. ; *if my pen does not s. for a moment* : यदि मे लेखनी क्षणं नावतिष्ठेत, Mah. 78. ; (2) शाम्यति, प्र- (शम्, c. 4.=to be quiet), *when it (the ball) s.ped, made it fly up, and on the reverse made it s.* : प्रशान्तं तमुदपातयद् विपर्ययेण च प्राशमयत्, D. vi. : v. To cease ; (3) विश्राम्यति (श्रम्, c. 3.=rest : q.v.).

STOP (subs.) : I. Obstruction, hindrance : q.v. : स्तम्भः, प्रति-. Ph. : *to put a s. to* : प्रतिष्टम्भयति (c. of स्तम्भ्) : v. To stop. II. Pause, ceasation : q.v. : (1) स्थितिः ; (2) अवस्थितिः ; (3) प्रशान्तिः ; (4) विश्रान्तिः. III. In punctuation : विरामः, बिन्दुः (?). IV. In music ; नादः (?). V. Of an organ : दण्डः (?).

STOP-COCK : perh. प्रतिष्टम्भः *or* अवष्टम्भः.

STOPPAGE : I. Stay, rest : q.v. : स्थितिः, अव-. II. Obstruction, hindrance : q.v. : स्तम्भः, प्रति-.

STOPPER, STOPPLE : (1) रोधः (?) ; (2) प्रतिष्टम्भः (?).